सामाजिक विषय पर कार्यशाला का भी आयोजन किया है। झुनझुनी समिति में आहार संतुलन कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय जानकार व्यक्ति दूध उत्पादकों को पशुओं को सही एवं पोषक आहार देने के विषय में जानकारी देती हैं। चारा विकास कार्यकम के अंतर्गत साईलेज बनाने की विधि का भी प्रदर्शन किया गया है। राष्ट्रीय डेरी योजना के अंतर्गत डेरी सहकारिता जागरूकता अभियान का भी झुनझुनी गाँव में आयोजन किया जा चुका है, जिसमें गाँव के स्तर पर पशुपालन एवं दूध उत्पादन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी थी, एवं कुशल दुग्ध उत्पादकों के पशुओं को स्वास्थ्य के हिसाब से डेरी मेले में पुरस्कृत भी किया गया था।

समिति निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है एवं महिला दूध उत्पादकों ने विश्वास दिखाया कि वे अपनी समिति को हमेशा मजबूत बनाये रखेंगी एवं दूधिया या अन्य किसी प्राइवेट संस्था की लुभाने वाली बातों में नहीं आएंगी।

समिति के विषय में कुछ संक्षिप्त जानकारी निम्न तालिका में दी गयी है।

संख्या	उत्पादक सदस्य	पुरूष	महिला	एससी/एसटी
		0	65	1
	दूध उत्पादन (ली.)	सुबह	शाम	कुल
		52.70	62.86	115.56
	फैट	6.50	6.20	
	एस.एन.एफ	8.63	8.60	

मोहम्मद राशिद,
प्रबन्धक-सी.एस. एन.डी.डी.बी.,लखनऊ

हिंदी कार्यशाला

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, आणंद में दिनांक 22.05.2017 को 3.30 से 5.30 बजे अपराह्न के दौरान 'ख' क्षेत्र के कार्मिकों को हिंदी में काम-काज करने के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 'ख' क्षेत्र के 30 कार्मिकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस कार्यशाला में श्री जनार्दन मिश्र, उप-प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा हिंदी के वचन, लिंग कारक, काल तथा पत्र लेखन की जानकारी के साथ-साथ राजभाषा पत्राचार में प्रयुक्त प्रचलित वाक्यांशों के प्रयोग की भी जानकारी दी गई।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

दिनांक 14 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के आणंद कार्यालय में डॉ. अम्बेडकर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। श्री ललित प्रसाद करन, ग्रुप प्रमुख (प्रशासन) की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प माला चढ़ाकर एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इसके पश्चात् आनंदालय के बच्चों ने भजन गायन किया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता के रूप में श्री जे.एच. खान, प्रोफेसर एवं प्रमुख, अंग्रेजी विभाग, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, वल्लभ विद्यानगर को आमंत्रित किया गया।

अतिथि वक्ता श्री जे.एच. खान ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर के जीवन के प्रेरक प्रसंगों पर व्याख्यान देते हुए यह बताया कि डॉ. अम्बेडकर न केवल दलितों एवं वंचितों के नेता थे बल्कि वे आम जनमानस की सामासिक चेतनाधर्मी जनवादी नेता थे। वे एक अर्थशास्त्री होने के साथ-साथ समाज सुधारक एवं कानूनविद भी थे। सही मायनों में वे समाज में व्याप्त जातीय एवं वर्गीय भेदभाव को समाप्त कर समतामूलक समाज की स्थापना करने में अहम भूमिका निभाने वाले एक महान विचारक थे। उन्होंने सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की संविधान रचना का महान कार्य किया। इस प्रकार श्री खान ने डॉ. अम्बेडकर के जनवादी एवं समतावादी व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का सटीक, मार्मिक एवं बारीकी से वर्णन किया तथा हमें उनके जीवन दर्शन पर आधारित प्रेरक - प्रसंगों से प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के अंत में श्री टी.वी. एस. चंडकामूर्ति, ग्रुप प्रमुख (विधि) ने अतिथि वक्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. अम्बेडकर के योगदान को याद किया तथा सभी को उनके जीवन एवं कार्यों से प्रेरणा लेने को कहा तथा इस अवसर पर सभी उपस्थित कार्मिकों को डॉ. अम्बेडकर जयंती की बधाई दी। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री करन, ग्रुप प्रमुख (प्रशासन) ने आनंदालय के बच्चों एवं अतिथि वक्ता को प्रतीक चिह्न दिए। इस अवसर पर सभी उपस्थित व्यक्तियों एवं बच्चों ने डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती एनी जोश द्वारा किया गया।